अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 11 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण-द्वितीया
विक्रम संवत-2082

PAGE NO.8: BOTTOME

रिद्धिमा में सजी बज्म-ए-सुखन की शाम

'बज्म ए सुखन' में कलाम पेश करता शायर। स्रोत : संस्था

बरेली। श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में रविवार को मुशायरे की शाम 'बज्म ए सुखन' का आयोजन किया गया। शायरों ने अपने कलाम से इश्क और मुहब्बत का तो जिक्र किया ही, बल्कि अपने शेर में मां-बाप की व्यथा के साथ ही सामाजिक व्यवस्था को भी उजागर किया।

मुशायरे का आगाज बरेली के शायर सलमान आरिफ ने अपने कलाम - पत्थरों से भी दोस्ती कर लो, जब से मैं कांच के मकान में हूं... से किया। इसके बाद बदायूं के शायर जुबैर मिर्जा ने कहा '''जान कहते हैं तुमको तुम्हारे बिना, पाक कहते हैं तुमको तुम्हारे बिना.., सुनाया।

बरेली के अभिषेक अग्निहोत्री ने अपने कलाम में सामाजिक व्यवस्था पर चोट किया। दिल्ली की शायरा मुस्कान मजीद, बरेली के शायर बिलाल राज बरेलवी, दिल्ली के अभिनव अतीक ने भी कलाम पेश किए। संचालन अश्वनी चौहान ने किया।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुभाष मेहरा, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. रीटा सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। संवाद